(1)	(2)		(3)
Long Staple			
22. 1007/MCU-7	31/32"	Fine	370
23. Cambodia 'B'	1"	Fine	370
24. Cambodia 'A'	1-1/32"	Fine	391
25. Laxmi 'A'	1-1/32"	Fine	391
26. Nimkar	1-1/32"	Fine	391
Superior Long Staple			
27. H-4	1-1/16"	Fine	436
28. MCU-5B	1-1/16"	Fine	426
21. MCU-5A	1-1/8"	Fine	453
30. Shankar-4	1-1/8"	Fine	453
31. Varalaxmi 'D'	1-5/32"	Fine	415
32. Varalaxmi 'C'	1-5/32"	Fine	425
33. Varalaxmi 'B'	1-6/32"	Fine	442
34. Varalaxmi 'A'	1-7/32"	Fine	470
35. Suvin	1-12/32"	Fine	675

Telephones to Social Workers

2878. SHRI CHINTAMANI JENA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have stopped allotting the telephones to the social workers;

(b) if so, the reasons thereof;

(c) whether Government are considering to restart giving Telephones to socialworkers; and

(d) if so, when?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI KARTIK ORAON): (a) and (b). The social workers were earlier registered under "publicmen category" which has since been replaced by "eminent publicmen" category. This was done so that only those social workers who are well known in public life may avail themselves of this facility.

(c) and (d). Does not arise.

मधु-मक्खी पालन केन्द्र

2879. श्री राम सिंह शाक्य : क्या ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार और उत्तर प्रदेश में राज-सहायता प्राप्त मधु-मक्खी पालन केन्द्रों की संख्या कितनी है और उनके पते क्या हैं ;

(ख) इन केन्द्रों का वार्षिक उत्पादन कितना है ; और

(ग) मधु-मक्खी पालन केन्द्रों की संख्या में वृद्धि करने के लिए सरकार की योजनायें क्या हैं ?

कृषि और ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बालेश्वर राम) : (क) व (ख). उत्तर प्रदेश में राज सहायताप्राप्त कोई मधुमक्खी पालन केन्द्र नहीं हैं। तथापि राज्य में मधुमक्खी पालन कार्यक्रम का विकास 15 जिलों में चलाया जा रहा है तथा आधुनिक मधुमक्खीपालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। खादी तथा ग्रामोद्योग के क्षेत्राधिकार में मधुमक्खी पालन भी ग्रामोद्योगों में से एक है तथा इस प्रकार के केन्द्रों को आयोग तथा राज्य खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्डों से प्रत्यक्ष सहायता से चलाया जा रहा है। बिहार तथा उत्तर प्रदेश में 1979-80 में खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग और राज्य खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्डों से सीधे सहायता प्राप्त केन्द्रों की संख्या तथा उनका कुल उत्पादन नीचे दर्शाया गया है :

राज्य	केन्द्रों की संख्या	1979-80 में उत्पादन मात्रा किलो ग्राम में	1979-80 में उत्पादन लाख रुपए में मूल्य
बिहार	414	3.56	42.66
उत्तर प्रदेश	62	0.27	3.25

बिहार तथा उत्तर प्रदेश में खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग से सीधे सहायता प्राप्त केन्द्रों की सूची संलग्न है ।

(ग) खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग का यह प्रस्ताव है कि बिहार के आदिवासी क्षेत्रों और उत्तर प्रदेश के पर्वतीय तथा सीमावर्ती इलाकों में मधुमक्खी पालन के कार्यक्रम में तेजी लायी जाए। प्रतिवर्ष लगभग 5000 मधुमक्खी पालन की नई कालोनियां स्थापित करने के लक्ष्य के साथ इन राज्यों में खंड स्तरीय इकाइयां गठित की जाएंगी जिनसे 500 मधुमक्खी पालकों को अतिरिक्त रोजगार उपलब्ध होने की आशा है। उत्तर प्रदेश सरकार ने जिओलीकोट (नैनीताल) तलवाड़ी (चमोली), मेरठ तथा इलाहाबाद में 4 प्रशिक्षण एवं क्षेत्र अनुसंधान केन्द्र भी स्थापित किए हैं।

सूची

1. बिहार

1. मुजफ्फरपुर मधुमक्खी पालन ग्रामोद्योग सहयोग समिति लिमिटेड गोशाला रोड, सर्वोदय ग्राम, पटेल नगर, मुजफ्फरपुर (बिहार)।
2. मेहसी मधुमक्खी पालन औद्योगिक सहकारी समिति लिमिटेड, पूर्वी चम्पारन जिला, पो० आ० मेहसी (बिहार)।
3. समस्तीपुर जिला मधुमक्खी पालन औद्योगिक सहयोग समिति लिमिटेड, काशीपुर, जिला समस्तीपुर, बिहार राज्य।
4. गादर मिश्र स्मारक निधि, पो० आ० गान्धीग्राम, जिला सन्थाल ।

5. काथीकुण्ड समग्र विकास परिषद्, पो० ग्रा० काथीकुण्ड, जिला सन्थाल परगना (बिहार) ।
6. मुजफ्फरपुर जिला खादी ग्रामोद्योग संघ, प्रधान कार्यालय सर्वोदया ग्राम, मुजफ्फरपुर-2, बिहार ।
7. छोटा नागपुर खादी ग्रामोद्योग संस्थान, सर्वोदय आश्रम, पो० ग्रा० तिरिल—जिला रांची, बिहार ।
8. पश्चिम चम्पारन जिला खादी ग्रामोद्योग संघ, उज्जैन टोला, बेट्टिहां, लाल बाजार (बिहार)
9. रायडीह समग्र विकास परिषद्, पो० ग्रा० मधौली, जिला रांची (बिहार) ।
10. राजेन्द्र खादी ग्रामोद्योग संघ, बृज किशोर आश्रम, पो० ग्रा० सिवन (बिहार) ।
11. रूपौली प्रखण्ड स्वराज्य विकास संघ, पो० ग्रा० रूपौली, जिला पूर्णिया (बिहार) ।

2. उत्तर प्रदेश

1. क्षेत्रीय कार्यालय, खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग, उत्तरकाशी (उत्तर प्रदेश) ।
2. क्षेत्रीय कार्यालय खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग, पिथौरागढ़ (उत्तर प्रदेश) ।
3. इलाहाबाद पोलिटैक्नीक, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) ।
4. कस्तूरबा महिला उत्थान मण्डल, पो० ग्रा० कसौनी, जिला अल्मोड़ा (उत्तर प्रदेश) ।
5. दसौली ग्राम स्वराज्य संघ, गोपेश्वर चमोली (उत्तर प्रदेश) ।
6. खादी ग्रामोद्योग संघ, चन्द्रावल, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) ।

Working and Audit of Cooperative Societies in Delhi

2880. SHRI BHIKU RAM JAIN: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the number of cooperative societies functioning in the Union Territory of Delhi;

(b) whether the accounts of a large number of societies had not been audited for the past several years;

(c) whether the accounts of these societies are being audited by departmental officials who have not been able to bring forth the errors or lapses of the societies; and

(d) whether it is proposed to carry out a thorough survey and special auditing of these societies which are either dead or exist only on paper and the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) As on 1st July, 1980, there were 3927 registered cooperative societies in Delhi, out of which 877 societies were under liquidation.

(b) The progress regarding audit of cooperative societies during the past four years is as under:—

Year	No. of societies required to be audited (excluding those under liquidation)	No. of societies audited
1976-77	2856	1608
1977-78	2788	1419
1978-79	2645	1025
1979-80	3050	232